प्रवाह

जनवरी 2020 सप्तदश अंक

आर. सी. ए. गर्ल्स (पी.जी.) कॉलेज, मथुरा
का अर्द्धवार्षिक पत्र

In this Issue ....

- From the Principal's Desk
- Editorial
- Expert's Corner
- Students' Corner
- Bulletin Updates
- College in News
- Sweet Memories

Editorial Board ....

Patron :
Dr. Preeti Johari
Editor :
Dr. Anju Bala Agrawal
Creative Head :
Dr. Sandhya

From the Principal's Desk

प्रिय छात्राओ,

'प्रवाह' के द्वारा आप से संवाद करने का मुझे हमेशा ही इन्तजार रहता है। यूँ तो कॉलेज में विभिन्न अवसरों, समारोहों में और प्रतिदिन राऊंड लेते समय अलग–अलग समूहों में या व्यक्तिगत तौर पर छात्राओं से बातें करके उनकी समस्याओं, उनके लक्ष्य और भावी योजनाओं को जानना और उन्हें छोटी–छोटी व्यवहारिक बातों और जीवन मूल्यों के विषय में बताना अब मेरी दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है, फिर भी 'प्रवाह' के माध्यम से अपने अनुभव आपके और आपके अभिभावकों के साथ बाँटने और इस कॉलेज को लेकर भविष्य की योजनाएं साझा करने का यह अवसर भी मेरे लिए अमूल्य है।

मेरी प्रिय बेटियों, आप सभी उम्र के उस दौर में हैं जो सपने देखने और बुनने की उम्र है। यहाँ, इस परिसर में हम आपको पूरी आजादी देते हैं सुन्दर भविष्य के, नई दुनिया के और खुले आसमान के सपने देखने की। परन्तु इसमें आपको भी अत्यधिक सजगता की और परिपक्वता की जरूरत है। आप अपने लिए कैसा भविष्य चाहती हैं, कैसा समाज चाहती हैं, यह इस पर निर्भर करता है कि आप आज कैसे सपने देखती हैं। अपने मन की आवाज को सुनो और सोच को ऊँचा उठाओ। याद रखो, आज आप जितना ऊँचा लक्ष्य रखोगी, कल उतनी ही ऊँचाई पर पहुँच सकोगी। अपने लक्ष्य तक पहुँचने की उत्कट अभिलाषा इतनी बढ़ जानी चाहिए जो आपको इसे पाने को सदा बेचैन रखे।

हमारे पूर्व राष्ट्रपति 'कलाम' साहब कहा करते थे– **सपने वो नहीं होते जो आप नींद में देखते हैं बल्कि सपने वो होते हैं जो आपको चैन से सोने नहीं देते।**

फिर एक बार जो लक्ष्य तय कर लिया उसके बाद उस तक पहुँचने के रास्ते भी तुम्हें खुद ही बनाने होगें। किसी का साथ मिले, न मिले, कितनी ही कठिनाइयाँ आएं, बिना रूके, बिना थके, धैर्य से हर बाधा को पार करते हुए, आगे बढ़ती रहो। दुनिया की बातों पर, प्रलोभनों पर मत जाओ। टूट भी जाओ तो बिखरो नहीं, सब कुछ फिर सहेजो, समेटो और मन की ख्वाहिश पूरी करने में लगी रहो। रॉबर्ट फ्रॉस्ट की इन पंक्तियों को सदा याद रखो–

The woods and lovely Dark and deep,
But I have promises to keep,
And miles to go before I sleep,
And miles to go before I sleep.

अर्जुन की तरह सिर्फ अपने लक्ष्य पर ही दृष्टि रखो। इस तरह कोशिश करते–करते, सपनों के पीछे भागते हुए एक दिन तुम उन्हें अपनी मुठ्ठी में कर ही लोगी। उसी दिन यहां पाई हुई शिक्षा और आपकी प्राध्यापिकाओं की दी हुई एक–एक सीख सार्थक होगी और वह दिन हम सबके लिए, आप पर और स्वयं पर गर्वित होने का दिन होगा। आपके सब सपने पूरे हों, आप सभी अपने लक्ष्य को शीघ्र पा सकें, इसी अपेक्षा और आशीर्वाद के साथ।

प्रीति अग्रवाल

Editorial

Dear students,

Through this column, I want to inculcate in you some human values that are necessary for a better living. Before exhorting you, I want to quote what George Cartein said in one of his speeches- "The paradox of our time in history is that we have taller buildings but shorter tempers, wider freeways, but narrower viewpoints. We spend more but enjoy less. We have more conveniences but less time; we have more degrees, but less sense, more knowledge but less judgments, more doctors and medicines yet more diseases and less well being. . . " This is the reality of today. We live among crowds of people and are attached to none. We prefer or try to love a friend across the oceans, but find no time to love our neighbour or even our brother. We can watch T.V. for hours together, but we get short of minutes when it comes to wipe off the tears of someone lying on the road. We love seldom and hate too often. We have cleaned up the outer shelf but polluted the soul. We have conquered outer space, but lost the innerself. As a matter of fact, these are the days of fancier houses but broken homes. This is the need of hour that we should give a moment's thought to co-living in a civilized society. People talk of co-existence but even enemies can co-exist. We can't call a society civilized if it believes only in coexistence not in co-living. We have learnt how to make a living but do not know how to make a life. In the words of a philosopher, "we have added years to life, but not life to years. We have been all the way to the Mars, and back but have trouble crossing the street to meet a new neighbour.". we feel lonely among the crowd and a stranger among our own men. The reason behind is that we talk of raising standards of living and ignore the standards of life. We talk of international brotherhood without establishing brotherliness with our neighbours. The gist of this exhortation is that you should tell the people that you love them at every opportunity. Spend some time with your loved ones because they are not going to be around forever. Say a kind word to every person who looks at you. That is the only treasure which you can give to others. If you do so your heart will be full of love, as nature returns back in double the amount that you give to her. When we love our neighbours, our country, the world and the entire creation of God, we lose ego and become one with the Divine. Thus, dear students, yours hearts should be full of friendliness, sympathy, compassion and care for other, then you will be gem among human beings.

With best wishes, sincerely yours

- Anju Bala Agrawal

हिन्दी में रोजगार के अवसर

सुश्री पूजा रॉय
असिस्टेंट प्रोफेसर
हिन्दी विभाग

हिन्दी भारत की राष्ट्रभाषा, राजभाषा और सम्पर्क भाषा तो है ही इसके साथ ही वर्तमान समय में इसमें रोजगार के अवसरों में भी कमी नहीं है। आज हिन्दी का अध्ययन करने वाला युवा वर्ग अपने भविष्य को बेहतर ढंग से संवार सकता है। हिन्दी में रोजगार के अवसरों को जानने से पहले हिन्दी के विषय में कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों पर प्रकाश डालना उचित रहेगा। वर्तमान समय में हिन्दी विश्व की दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। हिन्दी संवैधानिक रूप से भारत की राजभाषा है तथा भारत की सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है। विश्व आर्थिक मंच के एक सर्वे के अनुसार हिन्दी दुनिया की दस शक्तिशाली भाषाओं में से एक है। फिजी, मॉरिशस, गुयाना, सूरीनाम, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात आदि देशों में वहाँ की जनता के द्वारा हिन्दी बोली जाती है। इस प्रकार वर्तमान समय में विदेशियों में भी हिन्दी भाषा के प्रति रूचि तेजी से बढ़ती जा रही है। भूमण्डलीकरण तथा निजीकरण जैसे महत्वपूर्ण कारणों से प्रभावित होकर कई देशों ने अपने यहाँ हिन्दी भाषा को प्रोत्साहन देने हेतु शिक्षण संस्थानों की स्थापना की है। इसके साथ ही आज भारत में बड़ी संख्या में विदेशों से लोग हिन्दी सीखने के लिए आ रहे हैं।

ध्यान देने योग्य है कि हिन्दी भाषा की बढ़ती लोकप्रियता तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते महत्व के साथ ही साथ हिन्दी भाषा के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में भी काफी संभावनाएं बढ़ी हैं।

नौकरी के अवसर

हिन्दी का अध्ययन करने वाले अध्यापन के क्षेत्र में अपना सुनहरा भविष्य बना सकते हैं। आज हिन्दी अध्यापन के क्षेत्र में प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च शिक्षण संस्थानों तक शिक्षण का मौका योग्यतानुसार उपलब्ध है। बी.ए., बी.एड. करने के बाद टी.जी.टी. अध्यापक/माध्यमिक विद्यालय शिक्षक/एल.टी. ग्रेड अध्यापक बना जा सकता है। हिन्दी से एम.ए. करने वाला युवा इण्टर कॉलेज का लेक्चरर (पी.जी.टी.) बन सकता है। बी.एड. के साथ हिन्दी में परास्नातक करने के बाद डायट लेक्चरर बना जा सकता है। हिन्दी विषय में 55 प्रतिशत अंकों के साथ परास्नातक करने के बाद राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) में शामिल हुआ जा सकता है। इसमें सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वालों को जूनियर रिसर्च फैलोशिप (जे.आर.एफ.) प्रदान की जाती है। 'नेट' की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद एम.फिल., पी.एच.डी. करने से महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति का अवसर प्राप्त किया जा सकता है।

हिन्दी का अध्ययन करने वाले युवा पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार की इच्छा रखने वाले युवाओं को पत्रकारिता/जन संचार में डिग्री/डिप्लोमा के साथ हिन्दी में अकादमिक योग्यता रखना अनिवार्य है। हिन्दी पत्रकारिता के क्षेत्र में कदम रखने वाले युवाओं के लिए संपादक, उप संपादक, संवाददाता, रिपोर्टर, न्यूजरीडर्स, प्रूफ रीडर, एंकर्स, रेडियो जॉकी जैसे नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं। हिन्दी टाइपिंग करना काफी कठिन कार्य होता है, लेकिन हिन्दी भाषा पर अच्छी पकड़ होने के साथ हिन्दी टाइपिंग को सीख लिया जाए तो इस क्षेत्र में भी अच्छा रोजगार प्राप्त किया जा सकता है।

हिन्दी में दक्षता तथा अकादमिक योग्यता रखने वाले युवाओं को केन्द्र तथा राज्य सरकार के संस्थानों तथा कार्यालयों में हिन्दी अधिकारी, हिन्दी अनुवादक, हिन्दी सहायक, राजभाषा अधिकारी, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी के रूप में कार्य करने का मौका मिल सकता है। यदि आप में रचनात्मक स्तर पर प्रतिभा है तो आप रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा आदि के लिए डायलॉग लेखक, स्क्रिप्ट लेखक, गीतकार के रूप में भी अपना भविष्य बना सकते हैं। इसके साथ ही यदि आप स्वतंत्र रूप से हिन्दी रचनात्मक लेखन में रूचि रखते हैं तो कहानी, उपन्यास, नाटक, कविता, एकांकी, आत्मकथा, जीवनी आदि के लेखन द्वारा रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

यदि आप में प्रतिभा है तो हिन्दी में कैरियर बनाने के लिए अनंत संभावनाएं हैं। वर्तमान समय में हिन्दी के क्षेत्र में आप अपनी प्रतिभा के द्वारा तथा अपनी शैक्षिक योग्यता के द्वारा सुनहरा भविष्य बना सकते हैं।

Students' Corner ....

हिन्दी

शिल्पा यादव
एम.ए. हिन्दी फाइनल

मेरे कानों में आकर के मधुर रस घोलती हिन्दी।
नहीं है मात्र भारत की जगत् सिरमौर हिन्दी।।
पढ़ो हिन्दी तो मन से भी गुलामी दूर होती है।
मेरा तनमन, मेरी हर साँस, मेरा प्राण है हिन्दी।।

कभी मीरा, कभी कबिरा, कभी रसखान है हिन्दी।
कभी यमुना, कभी गोकुल, कभी घनश्याम है हिन्दी।।
कभी इसको भुलाकर के न तुम सम्मान पाओगे।
हमारी राष्ट्र–भाषा है, राष्ट्र का मान है हिन्दी।।

बेटियाँ

अंजली गौतम
एम.ए. प्रथम वर्ष

नाज तुम्हें था बेटों पर,
बोझ लगी थी बेटियाँ
बेटों की सब माँगे पूरी,
तरस रही थीं बेटियाँ .....

पर बेटे जब खुदगर्ज हुए,
और उनको तुम जब बोझ लगे
तब पलकों पर तुम्हें बिठानें,
तैयार खड़ी थीं बेटियाँ .....

मैं एक भारतीय हूँ

मोहिनी शर्मा
बी.ए. द्वितीय वर्ष

आजकल हम सभी देख रहे हैं कि कितने जातीय दंगे, भेदभाव, आरक्षण के अनशन, मारपीट आदि ऐसी चीजें हो रही हैं, जिनसे सिर्फ मनुष्य को नुकसान ही नुकसान होता है। आखिर ये जातीय दंगे किये क्यों जाते हैं ? क्या इनको करने से हम महान बन जाते हैं? या जो जाति इनको बढ़ावा देती हैं वह सब कुछ प्राप्त कर लेती हैं।

जहाँ तक हम जानते हैं इन चीजों से मनुष्यों की मौतों, उनको मिलने वाली चोटों, फालतू के खर्चों, मनुष्य के समय को बर्बाद होने के अतिरिक्त और कुछ नहीं मिलता। क्या इन्हें करना आवश्यक है? क्या इस जातीय भेदभाव को इस संसार से मिटाया नहीं जा सकता? क्या हम अपनी मानसिकता को बदल नहीं सकते ?

अगर हम आरम्भ से बात करें तो हर बच्चा अपनी माँ के कोख से जन्म लेता है। क्या वह भगवान से पूछकर या कहकर आता है कि मैं इस जाति में जाना चाहता हूँ या आप मुझे किस जाति में भेज रहे हैं। कभी भी कोई इंसान जाति का ठप्पा लगवाकर पैदा नहीं होता। वह तो शुरूआत में एक नासमझ और नवजात शिशु होता है जो संसार के इन फालतू और भ्रष्ट नियमों से अपरिचित होता है। लेकिन जैसे–जैसे वह बड़ा होता जाता हैं उसे इन फालतू बातों के बारे में पढ़ा–पढ़ाकर उसकी मानसिकता बदल दी जाती है तथा उसकी मानसिकता इतनी गिर जाती है कि वो अपने प्रयासों द्वारा इन भ्रष्ट बातों को समाप्त करने की बजाय और उनको बढ़ावा देने को तत्पर हो जाता है।

अगर हम अभी कुछ ही समय पहले मई के महीने में हुए दंगे की बात करें तो अभी कुछ लोगों ने उसमें अपनी जाति के आरक्षण के लिए दंगे तथा अनशन किया था। इन दंगों और मारपीट के कारण अनेक लोगों की जान चली गई, बहुत से लोग घायल हो गये, कुछ लोगों के वाहन भी तोड़ दिये गये जिससे सभी को बड़ा भारी नुकसान हुआ। मैं जानना चाहती हूँ कि जिस जाति के लोगों ने ये सब किया। क्या वे ये सब करके महान बन गये ? या उन्होंने दंगों को करके संसार की सारी सुविधाऐं प्राप्त कर ली ?

हम सब इस संसार में एक ही बनावट (दो हाथ, दो पैर, दो कान, दो आँख आदि) का शरीर लेकर उत्पन्न हुए हैं। यदि आज की बात करें तो यह देखा जाता है कि रोजगार, पढ़ाई, खेल, स्कॉलरशिप आदि अधिकतर चीजों में लोगों को अलग–अलग तरह से सुविधाऐं दी जाती हैं। आरक्षित वर्ग के लोगों के अंक कम होने पर भी उन्हें सरकारी रोजगारों आदि में चुन लिया जाता है। ये नियम बना दिया गया है कि इस जाति वाला इतने नम्बर पर पास होगा और इस जाति के इतने नम्बर होने पर भी उसे नहीं लिया जायेगा। यदि सरकार ही इस तरह का भेदभाव करेगी तो और जनता कैसे इस जातीय भेदभाव को दूर कर पायेगी। मैं सरकार से पूछना चाहती हूँ कि क्या मनुष्य इस संसार में अलग–अलग तरह के दिमाग लेकर उत्पन्न होता है? क्या किसी जाति में कम दिमाग और किसी जाति में ज्यादा दिमाग होता है?

हम सभी को यह नहीं भूलना चाहिए कि हम सब एक इंसान हैं न कि जातियों की कठपुतलियाँ जो हमारे ऊपर जन्म के बाद से ही जातियों का ठप्पा लगा दिया जाता है, कि तुम इस जाति के हो, ये इस जाति का है, वो उस जाति का है आदि। हम सभी अपना पेट अनाज से ही भरते हैं। हर इंसान इस संसार में जीने के लिए साँस ही लेता है, अलग–अलग प्रकार की गैसें नहीं। सभी को जीने के लिए ऑक्सीजन ही चाहिए होती है। पेड़ फल को देने के पहले यह नहीं सोचता कि मेरा ये फल किस जाति का व्यक्ति खायेगा। मैं इस फल को दूँ या नहीं दूँ। नदी किसी व्यक्ति की प्यास बुझाने के लिए अलग–अलग प्रकार के जलों को नहीं बहाती है। सूर्य उगने से पहले यह नहीं देखता कि किस इंसान पर अपना प्रकाश अधिक डालूँ और किस पर कम डालूँ। बादल वर्षा करने से पहले यह नहीं सोचते कि मैं सिर्फ इस जाति के लिए वर्षा करुँगा, इसके लिए नहीं। मिट्टी इंसानों से यह नहीं कहती कि तुम इस जाति के हो तो यहाँ रहो। तुम उस जाति के हो तो वहाँ रहो। जब प्रकृति, जिसके बिना हमारा जीवन सम्भव नहीं है, वो हमारे बीच कोई भेद–भाव नहीं करती तो इंसानों को ये हक किसने दे दिया कि वे इस जातीय भेदभाव को प्रकट करें। अगर हमारी सरकार आरक्षण लागू करने में ईमानदारी से कार्य करना चाहती है तो उन्हें आरक्षण आर्थिक आधार पर लागू करना चाहिए न कि जातीय आधार पर, जिससे कि जिस गरीब वर्ग को इसकी अति आवश्यकता है, उसे यह अधिकार मिल सकें और हमारे समाज तथा देश का वास्तविक उत्थान हो सके। जो भी व्यक्ति मेरी इस स्वरचित रचना को पढ़ेगा मुझे उन सभी से उम्मीद है कि वह इसे पढ़कर खुद में कोई न कोई

बदलाव अवश्य लायेंगे। इस जाति के भेदभाव को जड़ से मिटाने के लिए यह आवश्यक है कि आने वाले समय में लोगों को अपने किसी भी रोजगार को पाने के लिए, छात्र–छात्राओं को स्कॉलरशिप के आवेदन या किसी पद की प्राप्ति आदि के लिए जाति प्रमाण पत्र लगाने की आवश्यकता न पड़े।

मैं आपको एक सन्देश और देना चाहती हूँ कि यदि कोई आपसे पूछे कि आप ब्राहम्ण हैं, वैश्य हैं, क्षत्रिय हैं या शूद्र हैं तो आपे हमेशा एक ही जबाव दें कि न मैं ब्राह्मण हूँ, न मैं वैश्य हूँ, न क्षत्रिय हूँ और न ही शूद्र हूँ। मैं तो सिर्फ इतना जानता/जानती हूँ कि मैं एक भारतीय हूँ। मुझे उम्मीद है कि वह व्यक्ति आपसे दोबारा यह प्रश्न पूछने की कोशिश नहीं करेगा।

Bulletin Updates ....

तुलसी जयंती कार्यक्रम

दिनांक 07.08.2019 को महाविद्यालय में तुलसी जयन्ती श्रद्धापूर्वक मनायी गयी। कार्यक्रम में छात्राओं ने महाकवि तुलसीदास के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला तथा उनके द्वारा रचित पदों की संगीतात्मक प्रस्तुति भी दी।

इस अवसर पर डा. नीतू गोस्वामी ने उनके जीवन के अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डाला। डा. सीमा शर्मा ने तुलसी की रचनाओं और उनका प्रभु राम के प्रति अनन्य भाव को अपने वक्तव्य के माध्यम से बताया। डा. योगेन्द्री ने बताया कि तुलसीदास कृत रामचरित मानस घर–घर पूजित है।

अन्तर्महाविद्यालयी बैडमिंटन प्रतियोगिता

महाविद्यालय में दिनांक 18 व 19 सितम्बर को डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा आयोजित दो दिवसीय अन्तर्महाविद्यालयी बैडमिंटन प्रतियोगिता के अन्तर्गत महिला वर्ग की बैडमिंटन प्रतियोगिता सम्पन्न करायी गयी। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों– अमर नाथ कन्या महाविद्यालय मथुरा, बी.डी. जैन कन्या महाविद्यालय आगरा, एम.जी. महाविद्यालय फिरोजाबाद, सेन्ट जॉन्स महाविद्यालय आगरा, राजकीय महाविद्यालय एटा, आर. सी.ए. कन्या महाविद्यालय मथुरा, एस. वी. महाविद्यालय अलीगढ़, आगरा महाविद्यालय आगरा, बी.डी.के.एम महाविद्यालय आगरा आदि ने सहभागिता की।

प्रतियोगिता का शुभारम्भ कार्यक्रम की आयोजन सचिव, महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्षा श्रीमती मंजू दलाल के साथ महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी, आब्ज़र्बर श्री प्रमोद दलाल, सलेक्टर श्रीमती बबीता सिंह एवं रेनू दास ने चयनित टीम सेन्ट जॉन्स कॉलेज आगरा एव बी.डी.के.एम कॉलेज आगरा के मध्य मैच प्रारम्भ कराया।

इस अवसर पर सभी टीमों के टीम व्यवस्थापक डा. विनय चौधरी, डा. संजय चौहान, डा. मीनाक्षी पोपली, डा. शाहनवाज़ खान भी उपस्थित थे। सभी टीमों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए स्वयं को विजयी बनाने के लिए भरसक प्रयास किया जिसमें सेमीफाइनल तक एस. वी. कॉलेज अलीगढ़, बी.डी. जैन कॉलेज आगरा एवं आर.सी.ए कॉलेज मथुरा तथा एम.जी. कॉलेज फिरोजाबाद की टीम पहुँची। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद फाइनल में बी.डी.जैन कॉलेज आगरा एवं आर.सी.ए. कॉलेज मथुरा टीम पहुँची। प्रतियोगिता के उपरान्त पुरस्कार वितरण समारोह हुआ, जिसमें विजयी टीम को ट्रॉफी प्रदान की गयी। इस प्रतियोगिता की विजेता टीम बी.डी. जैन कॉलेज आगरा रही। जिसकी प्रतिभागी छात्राएं राधा ठाकुर एवं ऐश्वर्या थीं, जिन्हें पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता की रनरअप टीम आर.सी.ए. कॉलेज मथुरा थी, जिसकी छात्राएं काजल एवं स्नेहा गौड़ ने अंत तक प्रशंसनीय प्रयास किए। इस अवसर पर अपने उद्‌बोधन में खेल प्रशिक्षिका श्रीमती मंजू दलाल ने कहा कि जिस प्रकार पुरूष वर्ग के लिए खेल आवश्यक हैं, वैसे ही महिला वर्ग के लिए भी खेल आवश्यक है। उन्हें भी खेलों की प्रतिस्पर्धा में बढ़–चढ़ कर हिस्सेदारी रखनी चाहिए क्योंकि इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्राओं का सर्वांगीण विकास होता है। प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज छात्राओं के बेहतर प्रदर्शन को देखकर प्रसन्नता हुई कि छात्राएं भी खेलों में अपनी रूचि रखते हुए अपनी हिस्सेदारी रख रहीं हैं जो कि प्रशंसनीय है, उन्हें और अधिक मेहनत करके इस क्षेत्र में अपनी पहचान बनानी चाहिए। इस अवसर पर बैडमिंटन एसोसियेशन सचिव एम. के. अग्रवाल, अध्यक्ष नीरज गर्ग सदस्य के. जी. यादव महाविद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य श्री राजेन्द्र प्रसाद जी, विजय प्रकाश जी तथा समस्त शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

दो छात्राओं का चयन

डॉ. भीमराव आम्बेडकर वि.वि. की अंतर विश्वविद्यालयी बैडमिंटन टीम में आर सी ए महाविद्यालय की दो छात्राओं का चयन हुआ है। उनके चयन पर कॉलेज पदाधिकारियों ने दोनों छात्राओं को बधाईयां दी है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

विगत दिनों महाविद्यालय में ही सम्पन्न हुई विश्वविद्यालय की अंतर्महाविद्यालयी बैडमिंटन प्रतियोगिता में पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों की प्रतियोगिताएं हुई थीं। इनमें आर सी ए महाविद्यालय की दो छात्राओं स्नेहा गौड़ एवं काजल वर्मा को चयनित किया है। अंतर्महाविद्यालय प्रतियोगिताएं 19 से 23 नवम्बर तक पंजाब के जालंधर में लवली प्रोफेशलनल विश्वविद्यालय में आयोजित की गयी।

छात्राओं के चयन पर प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी एवं शारीरिक शिक्षा विभाग अध्यक्षा मंजू दलाल ने उन्हें बधाई दी एवं उनका उत्साहवर्धन किया।

कैरियर कॉउन्सिलिंग प्रकोष्ठ के अन्तर्गत अतिथि व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 26.09.2019 को महाविद्यालय में कैरियर काउन्सिलिंग प्रकोष्ठ द्वारा एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन कराया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित ITM Group of Institutions Mumbai से प्रो. जोस माइकल ने व्यक्तित्व का विकास और Placement Training के बारे में अपने विचार साझा किये। उन्होंने बताया कि चरित्र ही हमारे व्यक्तित्व के विकास का प्रमुख कारण है क्योंकि चरित्र का विकास करने पर व्यक्तित्व का विकास अपने आप हो जाता है। साथ ही Placement Training के बारे में भी विभिन्न गुर सिखाये, जिसमें बताया कि साक्षात्कार मे अपने आप को कैसे प्रस्तुत करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने की। अतिथि स्वागत डा. धर्मेन्द्र वर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. अंजुबाला अग्रवाल ने दिया। कार्यक्रम का संचालन डा. सुषमा जैन ने किया। इस अवसर पर कैरियर काउन्सिलिंग प्रकोष्ठ की अध्यक्षा डा. नम्रता मिश्रा के साथ ही अन्य प्रवक्तायें भी उपस्थित रहीं।

सामूहिक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 01.10.2019 को राजनीति विभाग द्वारा सामूहिक वाद–विवाद का आयोजन किया गया, जिसका विषय 'सोशल मीडिया व उसके प्रभाव' था। कार्यक्रम का प्रारम्भ राजनीति शास्त्र की विभागाध्यक्षा डा. योगेन्द्री के द्वारा मुख्य अतिथि डा. अशोक जौहरी के स्वागत के साथ किया गया। विषय के पक्ष में श्रेया अग्रवाल ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज सोशल मीडिया सूचनाओं व ज्ञान का भण्डार है। विपक्ष में काजल के द्वारा इसको अफवाहों व सामाजिक हिंसा का माध्यम बताया गया। वाद–विवाद के अगले चरण में नेहा द्विवेदी ने सोशल मीडिया को शिक्षा प्रणाली में सहायक बताया और कहा कि वर्तमान मे यह डिस्टेन्स एजूकेशन, ओपन यूनिवर्सिटी व शिक्षा प्रचार प्रसार में सहायक है। सुरभि के द्वारा सोशल मीडिया को रोजगार के सृजन के रूप में बताया। नेहा ने इसका प्रमाण प्रस्तुत करते हुए लिंकडिन का उदाहरण दिया। इसके विपक्ष में गुंजन गोस्वामी, स्नेहा, काजल व अंजली ने मौबलिचिंग, फेक न्यूज, युवा का गुमराह होना इत्यादि मुद्दों को उठाया। पक्ष में खुशबू आचार्य के द्वारा कहा गया कि यह अन्तर्राष्ट्रीय संबंध विदेश नीति के सफल संचालन में सकारात्मक भूमिका निभा रहा है। इसके प्रतिउत्तर में भारत पाक संबंधों की चर्चा की गयी। साथ ही साथ आतंकवाद, अकाउन्ट हैक जैसे दुष्परिणाम बताये गये। वन्दना पटेल ने इसे व्यापार वृद्धि का साधन बताया।

कार्यक्रम के अन्तिम चरण में मुख्य अतिथि डा. अशोक जौहरी जी ने विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पर कानून का शिकंजा कसा जाना आवश्यक है। उन्होंने आइ.टी. एक्ट के बारे में जानकारी दी और बताया Sec. 66A में आक्रामक पोस्ट लिखने पर सजा का प्रावधान था, जिसे 2009 में संशोधित किया गया। साथ ही सरकार पर सोशल मीडिया के प्रभाव से छात्राओं को अवगत कराया गया। समाजशास्त्र विभागाध्यक्षा डा. भारती सागर द्वारा मौबलिचिंग, साइबर क्राइम, व्यक्ति के स्वास्थ्य पर प्रभाव, देशों के कूटनीतिक संबंधों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार व्यक्त किये गये।

महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती

महाविद्यालय में महात्मा गांधी जी की 150 वीं जयंती विविध कार्यक्रम प्रस्तुत कर मनायी गयी। कार्यक्रम में सर्वप्रथम महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर महाविद्यालय प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी एवं वरिष्ठ प्राध्यापिकाओं डा. अंजूबाला अग्रवाल, डा. कल्पना वाजपेयी, डा. अर्चना पाल द्वारा सामूहिक रूप से माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ संगीत विभागाध्यक्षा डा. नम्रता मिश्रा के निर्देशन में छात्राओं द्वारा बापू का प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर गुंजन, पूर्ति शर्मा, स्नेहा गौड़ आदि छात्राओं द्वारा विषय आधारित अपने विचार प्रस्तुत किए गए। छात्रा वैशाली द्वारा एक कविता प्रस्तुत की गयी। वाणिज्य विभाग की छात्राओं द्वारा देश भक्ति आधारित मनोहारी नृत्य प्रस्तुत किया गया। संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा रामधुन संकीर्तन किया गया तो सारे सभागार में भक्तिमय वातावरण बन गया। इस अवसर पर प्राचार्या जी द्वारा छात्राओं को गांधी जी के जीवन पर आधारित फिल्म 'गांधी' महाविद्यालय सभागार में दिखाने की व्यवस्था करायी गयी। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती स्वाति पारीक ने किया।

नयी तालीम दिवस एवं सप्ताह

महाविद्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150 वीं जयन्ती राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा नयी तालीम दिवस के रूप में मनायी गयी। इस अवसर पर दोनों इकाईयों की योजनाधिकारी डा. सीमा शर्मा एवं डा. नीतू गोस्वामी, महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी एवं समस्त राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम महाविद्यालय प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम में छात्रा महिमा सिंह ने नयी तालीम विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। योजनाधिकारी डा. सीमा शर्मा ने नयी तालिम पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नयी तालीम से गांधी जी का तात्पर्य था कि छात्र साक्षर और शिक्षित होने के साथ रोजगार परक शिक्षा को भी ग्रहण करें ताकि वे स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर

बन सकें। सप्ताह के दूसरे दिन स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया। तृतीय दिन पंडित श्री कृष्ण मुरारी जी ने हवन के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि हवन में प्रयुक्त सामग्री का हमारे वातावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। चतुर्थ दिन खजानी वुमेन पॉलिटेक्निक के सहयोग से छात्राओं को मोमबत्ती बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। पाँचवे और छठे दिन कार्ड मेकिंग, नारा लेखन प्रतियोगिता व निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सातवें दिन छात्राओं के लिए आकर्षक झालर व बन्दनवार की कार्यशाला का आयोजन किया गया। छात्राओं ने ग्रीटिंग कार्ड, मोमबत्ती व कार्ड की प्रदर्शनी लगाई। कार्यक्रम का समापन मुख्य अतिथि एडवोकेट सुश्री प्रतिभा शर्मा द्वारा किया गया। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में कहा कि गांधी जी के द्वारा दिए गए नैतिक विचारों की आज भी उतनी ही प्रासंगिकता है। हमें आज भी उनके जीवन मूल्यों को आत्मसात करना चाहिए। साथ ही उन्होंने छात्राओं को कानून और न्याय संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान करते हुए हेल्प लाइन नम्बरों के विषय में बताया। पूरे सप्ताह के कार्यक्रम की समीक्षा डा. सीमा शर्मा ने की और कार्यक्रम संचालन डा. नीतू गोस्वामी ने किया।

महाविद्यालय स्थापना दिवस

04 अक्टूबर 2019 को महाविद्यालय का स्थापना दिवस मनाया गया, जिसमें महाविद्यालय की प्रगति के लिए हवन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री रमेश मित्तल, सचिव श्री गिरीश अग्रवाल, प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी, समस्त प्राध्यापिकाएं, कर्मचारीगण एवं छात्राओं द्वारा सामूहिक रूप से हवन किया गया। हवन के पश्चात प्रवक्ताओं, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों के लिए मनोरंजक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें बैलून बस्टिंग, लेमन रेस, बॉल पासिंग प्रतियोगिताएं प्राध्यापिकाओं हेतु तथा गोला फेंक, सौ मी. रेस, लेमन रेस प्रतियोगिताएं तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों हेतु आयोजित की गयीं।

इन सभी प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। गोला फेंक प्रतियोगिता में तृतीय श्रेणी कर्मचारी पवन सिकरवार और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हरीश को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। सौ मी. रेस में तृतीय श्रेणी कर्मचारी पवन सिकरवार एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी रवि को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। लेमन रेस प्रतियोगिता में प्रवक्ता राजेश, तृतीय श्रेणी कर्मचारी गौरी शंकर एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हरीश को प्रथम पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। पासिंग द बॉल प्रतियोगिता में प्रवक्ता सीमा शर्मा तथा तृतीय वर्ग में आशीष शर्मा को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। हाउज़ी में प्रवक्ता योगेन्द्री उपाध्याय को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। सभी खेल प्रतियोगिताएं खेल विभागाध्यक्षा श्रीमती मंजू दलाल के निर्देशन में सम्पन्न हुईं।

दीक्षान्त समारोह

11 अक्टूबर को डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा का दीक्षान्त समारोह आयोजित किया गया। जिसमें 2019 में एम.ए. उत्तीर्ण करने वाली महाविद्यालय की छात्रा कु. हेमप्रभा शर्मा सुपुत्री श्री गिरीश कुमार शर्मा ने दीक्षान्त समारोह में दो स्वर्ण पदक प्राप्त किए। उन्हें धूर्जटी प्रसाद बागची स्वर्ण पदक एम.ए. संस्कृत 2019 की परीक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए तथा श्रीमती मीरा अग्रवाल स्मृति स्वर्ण पदक एम.ए. उत्तरार्द्ध (संस्कृत) 2019 की परीक्षा में महिला अभ्यर्थी के रूप में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिये प्रदान किया गया। कु. हेमप्रभा शर्मा को स्वर्ण पदक उ.प्र. की राज्यपाल द्वारा प्रदान किया गया। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली छात्रा को बधाई देते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने कहा कि यह हमारे महाविद्यालय ही नहीं अपितु मथुरा जनपद के लिये गौरव की बात है कि हेमप्रभा शर्मा ने दो–दो स्वर्ण पदक विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह में प्राप्त किए। संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्षा डा. अर्चना पाल ने भी संस्कृत विषय में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली छात्रा कु. हेमप्रभा को बधाई दी।

युवोत्सव में प्रतिभागिता

डॉ. बी. आर. आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा अक्टूबर 2019 में आयोजित युवोत्सव में महाविद्यालय की छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। एकल लोकनृत्य प्रतियोगिता में बी. ए. द्वितीय वर्ष की कु. प्रिया सविता ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय वर्ष की कु. गुंजन गौतम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

मॉडल प्रतियोगिता में विजयी

टीकाराम महिला महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा दिनांक 12.10.2019 को आयोजित अन्तर्महाविद्यालयी मॉडल प्रतियोगिता में महाविद्यालय की स्नातकोत्तर अंग्रेजी की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। एम. ए. प्रथम वर्ष से शिल्पा, सुदर्शन, ललिता व शिवानी की संयुक्त प्रविष्टि महानकवि मिल्टन के महाकाव्य ''पैराडाइज लौस्ट'' पर आधारित थी व एम. ए. द्वितीय वर्ष से रितु, मोहिनी शर्मा व पूजा ने महान नाटककार शैक्सपीयर के नाटक ''एज यू लाइक इट'' पर अपनी प्रविष्टि प्रस्तुत की। प्रतियोगिता में प्रस्तुत करीब 20 प्रविष्टियों में से ''पैराडाइज़ लौस्ट'' को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। छात्राओं का निर्देशन करने में विभागाध्यक्षा डा. अंजुबाला अग्रवाल, प्रवक्ता कु. नीतू राजपूत व कला

विभागाध्यक्षा डा. संध्या श्रीवास्तव का विशेष योगदान रहा।

विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस

महाविद्यालय की छात्राओं ने राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डा. सीमा शर्मा के नेतृत्व में विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस के उपलक्ष्य में यमुना मिशन के तहत मोक्षधाम के पीछे कामधेनु उपवन के समीप वृक्षारोपण किया। राष्ट्रीय सेवा योजना और रेंजर यूनिट की छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताया। आज के प्रदूषित वातावरण में पर्यावरण को संरक्षित करने का एक मात्र विकल्प वृक्षारोपण है। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में डा. सीमा शर्मा के साथ, डा. सुनीता अवस्थी एवं श्रीमती रश्मि जी रहीं एवं श्री यश का विशेष सहयोग रहा। यह दिवस 1992 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के द्वारा आयोजित किया जाता है। विगत तीन दशकों अर्थात् 30 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण हेतु विश्व स्तर पर वार्ताएँ और समझौते हो रहें है, इसके बावजूद पर्यावरण अत्यन्त ही प्रदूषित हो गया है। डा. सीमा शर्मा और श्रीमती रश्मि जी ने छात्राओं को पर्यावरण को संरक्षित करने हेतु वृक्षारोपण का महत्व बताया। छात्राओं ने विभिन्न महत्वपूर्ण अवसरों जैसे जन्मदिन, वैवाहिक दिवस, बाल दिवस, गांधी जयंती आदि पर वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया।

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

महाविद्यालय में दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'जम्मू कश्मीर का पुनर्गठन–पाकिस्तान, चीन तथा अन्य विश्व के लिए निहितार्थ' 15.11.2019 एवं 16.11.2019 को Indian Council of World Affairs (विश्व मामलों की भारतीय परिषद्) द्वारा प्रायोजित की गयी।

संगोष्ठी का शुभारम्भ उद्घाटन सत्र से हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस संगोष्ठी के विचार विमर्श के बाद मैं आशा करती हूँ कि नीति निर्धारकों को जम्मू कश्मीर के लोगों एवं सम्पूर्ण राष्ट्र के हित में नीति बनाने के लिए कुछ दिशा मिल सकेगी। मुख्य अतिथि के रूप में लद्दाख से पधारे विदेश नीति विशेषज्ञ पी. स्टोबडान ने अपने वक्तव्य में कहा कि 2 नवम्बर को नक्शे बदल दिये गये हैं, अब तक लद्दाख को भारत का हिस्सा नहीं बनने दिया गया, इसे हमेशा दया की दृष्टि से देखा गया, हमेशा अलग रखा गया। अब स्थिति में सुधार आया है। आज जगह की कीमत है लोगों की नहीं। हमें नौकरी देने में भी भेदभाव किया जाता है। उन्होंने कहा कि लद्दाख का विकास होना चाहिए तभी यहाँ के लोग समृद्ध हो पायेंगे। यहाँ से पाँच किलोमीटर दूर चीन बहुत विकसित है, हम पिछड़े हुए हैं तथा तकलीफों को झेलते हैं।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरविन्द कुमार दीक्षित द्वारा की गयी। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर के विषय में बहुत सी भ्रान्तियाँ देश के सामने आ रही हैं। कश्मीर पर दिल्ली में बैठकर किताबें लिखी जाती हैं लेकिन कश्मीर की संस्कृति को नहीं समझा जाता। इतिहास में हमसे जो गलतियाँ हुई हैं उन्हें सुधारना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज केन्द्र की सरकार मजबूत हाथों में है इसलिए यह साहसिक निर्णय हो पाया है।

मुख्य वक्ता कश्मीर के मानवाधिकार कार्यकर्ता श्री सुशील पंडित ने कहा ''यह एक ज्वलंत विषय है इस पर पूरे देश तथा विश्व में चर्चाएं हो रही हैं। यह एक युग प्रवर्तक निर्णय है। अब तक धारा 370 को हाथ न लगाने के पीछे हमारी राजनीतिक इच्छा शक्ति की कमी थी। आज राजनीतिक इच्छा शक्ति दृढ़ है।''

जम्मू कश्मीर अध्ययन केन्द्र के निदेशक आशुतोष भटनागर ने कहा कि आज हमारे सामने नयी चुनौतियाँ और नयी दिशाएं हैं। उन्होंने कहा 5 अगस्त जम्मू कश्मीर के लिए महत्वपूर्ण तिथि है। लद्दाख को केन्द्र शासित प्रदेश बनाया गया। अनुच्छेद 370 हटाये जाने से हमारी कूटनीतिक सफलता कश्मीर में विस्तारित हुई है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की नेता सुभाषिनी सहगल अली ने कहा कि आज दुनिया में कश्मीर की स्थिति पर चर्चा हो रही है। कश्मीर हमारे देश का हिस्सा है, अभिन्न अंग है।

प्रो. एम. एम. अंसारी ने कश्मीर के हालत पर चर्चा करते हुए कहा कि पिछले 100 दिनों से वहाँ तमाम सुविधाएं बन्द कर दी गयी हैं जिससे स्थिति दयनीय हो गयी है। इन्टरनेट बन्द होने के कारण वहाँ की जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है आज भी वहाँ त्रिस्तरीय ढांचा लागू नहीं हो पाया है। 5 अगस्त के पश्चात् से कश्मीर की आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

उद्घाटन सत्र के समापन पर महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि इस संगोष्ठी का उद्देश्य इस ज्वलंत विषय पर खुलकर बातचीत करना है। भोजनोपरांत तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डा. आशीष शुक्ला द्वारा की गयी। रिपर्टियर के रूप में महाविद्यालय से डा. अंजुबाला अग्रवाल एवं डा. सीमा शर्मा रहीं। पहले दिन 50 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए जिनमें प्रमुख डा. अनुराग रत्न, डा. जयकिरण, डा. अर्चना गौतम, डा. केशवदेव, डा. युधिष्ठर, डा. ममता शर्मा, डा. शशि शेखर के रहे।

द्वितीय दिवस को तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डा. अशोक जौहरी द्वारा की गयी। रिपर्टियर के रूप में महाविद्यालय से डा. कल्पना वाजपेयी एवं उनके साथ डा. वीरमती सिंह रहीं। इस दिन 50 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए जिनमें प्रमुख शोधपत्र डा. पी.वी. गोस्वामी, डा. रविन्द्र शर्मा, डा. निधि शर्मा, डा. सीमा शर्मा, डा. सुरेन्द्र कुमार, डा. रंजन

शर्मा, डा. सुनीता अवस्थी, डा. वीरमती सिंह, डा. अर्चना पाल, डा. सुषमा जैन के रहे।

तकनीकी सत्र के पश्चात् समापन सत्र की शुरूआत हुई। मुख्य अतिथि प्रो. मो. अरशद, अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, समाज विज्ञान संस्थान आगरा विश्वविद्यालय आगरा, ने कहा कि कश्मीर के ज्यादातर लोग भारत के साथ हैं। 370 हटाने के समय जो एहतियात लेने चाहिए थे वे हमारी सरकार ने लिये हैं। उन्होंने कहा बन्दूक की नोंक पर ज्यादा समय तक शासन नहीं किया जा सकता, इसलिए हमको वहाँ के लोगो में विश्वास जागृत करने की आवश्यकता है। ये धार्मिक मुद्दा नहीं है क्योंकि 93 प्रतिशत मुसलमान बाकी देश में हैं तथा 7 प्रतिशत मुसलमान जम्मू कश्मीर में हैं।

समापन सत्र के मुख्य वक्ता डा. आशुतोष भटनागर ने कहा कि कश्मीर कोई समस्या नहीं है। लोग दिल्ली में बैठकर कश्मीर विशेषज्ञ बन जाते हैं तथा भ्रम की स्थिति फैलाते हैं। तथ्य कुछ और होते हैं तथा बोला कुछ और जाता है। उन्होंने कहा यदि इन्टरनेट बन्द होने से लोगों का जीवन सुरक्षित है तो यह कदम ज्यादा अच्छा है।

विश्व मामलों की भारतीय परिषद् (ICWA) से आये डा. आशीष शुक्ला ने कहा कि पाकिस्तानी सेना पर उन्होंने एक पुस्तक लिखी है। उन्होंने कहा– 'अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में न कोई स्थायी शत्रु होता है न कोई स्थायी मित्र'।

कश्मीर छात्र संघ के संस्थापक और प्रवक्ता नासिर खुहैमी ने कहा कि जंग और हथियार किसी मसले का हल नहीं है। हिन्दुस्तान, पाकिस्तान और कश्मीर इस मसले का हल निकाल सकते हैं। संगोष्ठी की विस्तृत रिपोर्ट संस्कृत विभागाध्यक्षा डा. अर्चना पाल द्वारा प्रस्तुत की गयी। जिसमें उन्होंने बताया कि इस विचार विमर्श से संघर्ष की प्रकृति में बदलाव आयेगा तथा लम्बे समय से चली आ रही संघर्ष और अस्थिरता की स्थिति सुधरेगी।

महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि धन्यवाद के ये शब्द मात्र शब्द नहीं है अपितु अनुभूति है और इस अनुभूति के द्वारा मैं सभी का धन्यवाद करती हूँ। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से जम्मू कश्मीर के पुनर्गठन से भारत की विदेशनीति और कूटनीति वैश्विक स्तर पर मजबूती से परिलक्षित हुई है।

संविधान दिवस

29 नवम्बर 2019 को महाविद्यालय में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में के. आर. कॉलेज के पूर्व प्रो. डा. अशोक कुमार उपस्थित रहे। डा. अशोक कुमार ने कहा कि भारतीय संविधान सत्ताधीश व्यक्तियों के लिये एक प्रक्रिया है। यह प्रक्रिया राष्ट्रीय दर्शन पर आधारित है संविधान राष्ट्र निर्माण का एक सशक्त साधन है यह इस क्षेत्र में पूर्णतया सफल है सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संविधान की समय–समय पर बहुत सटीक व्याख्या की गई है। इसी कड़ी में महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने संविधान की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला और कहा कि इस संविधान के द्वारा राष्ट्र का सफल संचालन हो रहा है। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा विनीता ने संविधान की प्रस्तावना पर प्रकाश डाला। मिताली व अंजली द्वारा मूल कर्तव्य व मूल अधिकारों की चर्चा की गई। एम.ए. फाइनल की छात्रा नेहा द्विवेदी ने संविधान में वर्णित सभी विशेषताओं पर व उसके महत्व पर प्रकाश डाला तथा संविधान के अस्तित्व को बनाये रखने पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन डा. योगेन्द्री द्वारा किया गया।

फिट इंडिया प्रतियोगिता परीक्षा

दिनांक 29.11.2019 को महाविद्यालय में माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा चलाए गए कार्यक्रम 'फिट इण्डिया' के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय प्राकृतिक संगठन के सौजन्य से राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 'कौन बनेगा स्वास्थ्य रक्षक' प्रतियोगी परीक्षा सम्पन्न करायी गयी। राष्ट्रीय सेवा योजनाधिकारी डा. सीमा शर्मा एवं डा. नीतू गोस्वामी के निर्देशन में सम्पन्न हुई। इस ओ.एम.आर. आधारित परीक्षा में 82 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस परीक्षा से पूर्व छात्राओं को प्राकृतिक चिकित्सा के महत्व और ज्ञान से अवगत कराने के लिए उन्हे एक पुस्तक प्रदान की गयी, जिसके आधार पर छात्राओं ने परीक्षा दी।

इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को प्राकृतिक चिकित्सा के विषय पर जागरूक करना था। वर्तमान में प्रदूषण आदि के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से कैसे प्राकृतिक चिकित्सा के आधार पर निजात पा सकते हैं, क्योंकि आज की भयावह स्थिति में न जाने कितनी बीमारियों ने मानव के शरीर को अपना निवास स्थान बना रखा है और अंग्रेजी दवाइयाँ रोग को या तो दबा देती है या उनका कोई साइड इफेक्ट पड़ता है। अतएव ऐसे में प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से हम बहुत सी बीमारियों का निदान कर सकते हैं। परीक्षा में डा. अन्जुबाला अग्रवाल एवं डा. कल्पना वाजपेयी द्वारा निरीक्षण किया गया और छात्राओं की उपस्थिति को सराहा।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयंती का आयोजन

दिनांक 03.12.2019 को महाविद्यालय में संविधान दिवस के तहत भारत के प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद जी की जयन्ती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती स्वाति पारीक द्वारा किया गया। उन्होंने डा. राजेन्द्र प्रसाद के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर छात्राओं की भागीदारी सराहनीय रही। बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा विनीता ने डा. राजेन्द्र प्रसाद के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला तथा संविधान में उनकी भागीदारी को बताया। बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा स्नेहा गौड़ ने भारत के प्रथम राष्ट्रपति की राजनीतिक तथा स्वतन्त्रता आन्दोलन में भागीदारी पर प्रकाश डाला। श्रेया अग्रवाल, एम.ए. प्रथम वर्ष ने

डा. राजेन्द्र प्रसाद से संबंधित कुछ रोचक बातें बताईं। उनके द्वारा लिखित सत्याग्रह चम्पारण, भारतीय संस्कृति नामक पुस्तकों का जिक्र किया। के. आर. डिग्री कॉलेज से सेवानिवृत प्रो. डा. अशोक कुमार ने डा. राजेन्द्र प्रसाद के स्वतन्त्रता संग्राम में दिये गये योगदान पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा डा. राजेन्द्र प्रसाद कट्टर हिन्दू थे। भारतीय संस्कृति में उनका अधिक विश्वास था वे सभी धर्मो को समग्र रूप से देखते थे। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने डा. राजेन्द्र प्रसाद की जयन्ती के अवसर पर धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि डा. राजेन्द्र प्रसाद असाधारण व्यक्तित्व के धनी थे। इस अवसर पर महाविद्यालय की समस्त शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

शैक्षिक भ्रमण

महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा विभागाध्यक्षा डा. भारती सागर एवं प्रवक्ता डा. नेहा सक्सैना के मार्गदर्शन में दिनांक 05 दिसम्बर 2019 को शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया, जिसके अन्तर्गत छात्राओं ने भरतपुर स्थित 'अपना घर' गैर सरकारी स्वयंसेवी संगठन का भ्रमण किया। 'अपना घर' में भ्रमण के दौरान छात्राओं ने वहाँ बेघर निराश्रितों की उन परिस्थितियों और अनुभवों को जाना जो उन्होंने निराश्रितता की अवस्था में पाये तथा 'अपना घर' में उनके पुनर्वास हेतु दी जाने वाली सेवाओं का अवलोकन भी किया। संस्था की अध्यक्षा श्रीमती कुसुमलता अग्रवाल एवं संस्थापक डा. बी.एम. भारद्वाज जी से संवाद के दौरान वहाँ आश्रय पाने वाले लगभग 3200 लोगों के पुनर्वास हेतु संसाधनों, सेवाओं का प्रबन्धन आदि पक्षों को जाना। आश्रम में सभी उम्र के लोगों को आश्रय के साथ जीव सेवा, रोगियों के इलाज, प्रशिक्षण कार्यक्रम, पढ़ाई आदि की व्यवस्था भी की जाती है। इस दौरान छात्राओं ने 'जीव–सेवा ही श्रेष्ठ है' के वास्तविक अर्थ को जाना एवं मनोरोगी एवं कुण्ठाग्रस्त लोगों के संस्था के माध्यम से पुनर्वास के सम्बन्ध में जानकारी हासिल की। इस प्रकार भ्रमण के माध्यम से छात्राओं ने समाज के कमजोर वर्ग को सशक्त बनाने के लिए स्वावलम्बन के साथ सेवा और परानुभूति के महत्व को समझते हुए उनके पुनरूद्धार की प्रेरणा ग्रहण की।

मानवाधिकार दिवस का आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 09.12.2019 को मानवाधिकार दिवस की पूर्व संध्या पर समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'मनुस्मृति, संविधान और महिलाओं के मानवाधिकार' विषय पर संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। इस संवादात्मक सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की सदस्या एवं समाजसेवी सुश्री सुभाषिनी सहगल अली उपस्थित थीं। साथ ही सत्र में मथुरा जनपद की प्रतिष्ठित विधि वेत्ता सुश्री प्रतिभा शर्मा एवं के.आर. कालेज से राजनीति विभाग से सेवानिवृत्त प्रोफेसर अशोक कुमार ने भी अपने वक्तव्य दिए। संचालन समाजशास्त्र विभाग की अध्यक्षा डा. भारती सागर ने किया।

सत्र के आरम्भ में संस्कृत विभाग की अध्यक्षा डा. अर्चना पाल ने मनुस्मृति में महिलाओं की स्थिति एवं उनके अधिकारों पर प्रकाश डाला। साथ ही मनुस्मृति पर मतभेदों पर स्पष्टता देते हुए मनुस्मृति के विविध श्लोकों को उद्धृत करते हुए उसकी प्रमाणिकता प्रस्तुत की। राजनीतिज्ञ सुश्री सुभाषिनी अली जी ने भारत की प्राचीन बौद्ध और जैन विचारधारा के समतावादी मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए भारत में महिला अधिकारों के प्रति समतावादी सोच की परम्परा को उजागर किया।

डा. अशोक जौहरी ने मनुस्मृति में महिलाओं के अधिकारों को समतापूर्ण बताया और स्त्री तथा पुरूष एक दूसरे के पूरक हैं, इस पहलू को स्पष्ट किया। आपने धर्मशास्त्रों पर निंदनीय वक्तव्यों को अनुचित कहा।

सत्र की अध्यक्षा सुश्री प्रतिभा जी ने अपने वक्तव्य में स्त्रियों के मानवाधिकारों पर प्रकाश डालते हुए कानूनी पहलूओं से अवगत कराया। कार्यक्रम के प्रश्नोत्तर काल में छात्राओं ने मुख्यतः हैदराबाद और उन्नाव बलात्कार मामलों से जुड़े प्रश्नों को पूछा, जिसके अधिकतर जबाव सुभाषिनी अली जी ने दिए। सत्र के समापन से पूर्व महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी ने धन्यवाद और आभार व्यक्त करते हुए सभी से अपने अंदर के मनुवाद को नष्ट करने की बात कही।

संसद भवन भ्रमण

महाविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग एवं अन्य विभागों में अध्ययनरत् छात्राएं शैक्षिक भ्रमण हेतु संसद भवन गयीं। छात्राओं ने संसद भवन की कार्यवाही को देखा और यह जाना कि संसद में सत्र किस प्रकार चलते हैं और किस प्रकार कोई विधेयक पारित किया जाता है।

इस शैक्षिक भ्रमण के उपरान्त छात्राओं में उत्साह और प्रसन्नता साफ दिखाई दी। छात्राओं ने बताया कि यह भ्रमण उनके लिए मनोरंजक ही नहीं अपितु ज्ञानवर्धक भी रहा। छात्राओं का यह भी कहना था कि उन्होंने यह अब तक सिर्फ किताबों में देखा और सुना था आज उन्हें प्रत्यक्ष में संसद की कार्यवाही देखकर बहुत अच्छा लगा।

छात्राओं ने संसद के अतिरिक्त इंडिया गेट व अक्षरधाम मन्दिर का भ्रमण किया। अक्षरधाम की स्थापत्य कला से भी छात्राएं अत्यन्त प्रभावित हुईं। इस शैक्षिक भ्रमण में छात्राओं के साथ महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी व प्राध्यापिकाएं डा. योगेन्द्री, डा. नीतू गोस्वामी, डा. अनीता चौधरी, डा. सुनीता अवस्थी, डा. सुषमा अग्रवाल, डा. रिचा शर्मा, पूजा पालीवाल व कर्मचारी श्री पवन सिकरवार, श्री आशीष शर्मा एवं श्री हरीश व श्री करतार आदि भी थे।

College in News

'जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन युग परिवर्तन वाला फैसला'

आरसीए गर्ल्स डिग्री कॉलेज में जम्मू-कश्मीर पर विभिन्न विचारधाराओं का हुआ समागम

जम्मू कश्मीर के पुनर्गठन पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करती आरसीए डिग्री कॉलेज की प्राचार्या।

जम्मू कश्मीर पुनर्गठन कार्यक्रम में मौजूद लोग।

संवाद न्यूज एजेंसी

मथुरा। प्रभु श्रीकृष्ण की नगरी में शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन पर आयोजित नेशनल सेमिनार में विभिन्न विचार धाराओं का समागम हुआ। कश्मीर की वादियों में बड़े हुए और पले विद्वानों ने सरकार के कदम को भारत के लिए युग परिवर्तन वाला बताया। वहीं, कम्युनिस्ट विचारधारा ने वर्तमान परिस्थितियों में कश्मीर के लोगों के मानवाधिकार हनन पर चिंता जाहिर की।

आरसीए गर्ल्स डिग्री कॉलेज में आयोजित सेमिनार में कश्मीर के मानवाधिकार कार्यकर्ता सुशील पंडित ने कश्मीर पर आजादी से लेकर अब तक के घटनाक्रमों को प्रकाश डाला। इसमें आतंकवाद का समावेश, कश्मीरी पंडितों का पलायन और उनके दुखदर्द को बताया। वहीं, कम्युनिस्ट पार्टी की पोलित ब्यूरो सदस्य सुभाषिनी सहगल अली ने केंद्र सरकार के निर्णय की सीधे आलोचना न करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैसले को गलत करार दिया। पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त और कश्मीर पर वार्ताकार प्रो.एमएम अंसारी ने भी कश्मीर के वर्तमान हालातों को चिंताजनक बताया। जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र के निदेशक डॉ आशुतोष भटनागर ने भी अपने विचार रखे। अध्यक्षता डा.बीआर आंबेडकर विवि के कुलपति डॉ.अरविंद कुमार दीक्षित ने की। धन्यवाद ज्ञापन कालेज प्राचार्य डॉ. प्रीति जौहरी ने किया।

दुनिया में कश्मीर पर हो रही है चर्चा सुभाषिनी अली

मोदी सरकार के फैसले के कारण दुनिया में कश्मीर पर चर्चा हो रही है। यहां की संस्कृति, सभ्यता पर लोग चर्चा कर रहे हैं। ये ठीक नहीं है। सौ दिन हो गए फैसले को, लेकिन अब तक स्थिति सामान्य नहीं हुई हैं। लोग घरों में कैद होकर रह गए हैं। विद्यालय जाने से अभी भी डर लग रहा है।

70 साल तक जम्मू-कश्मीर पर किसी ने सोचा ही नहीं पी स्टॉबडान

लद्दाख क्षेत्र से संबंध रखने वाले विदेश नीति के विशेषज्ञ व मुख्य अतिथि पी स्टॉबडान ने कहा कि पहली बार किसी ने जम्मू-कश्मीर की समस्या पर सोचा है। निर्णय लिया है। 70 साल से अब तक इस विषय पर किसी ने विचार ही नहीं किया। हमें ये बताया जाता रहा कि हम हिंदुस्तानी नहीं हैं। आज भी जम्मू-कश्मीर का 55 प्रतिशत हिस्सा भारत से अलग है।

अब आएगा असली परिवर्तनः सुशील पंडित

सुशील पंडित का कहना है कि जम्मू-कश्मीर में असली परिवर्तन अब देखने को मिलेगा। जो लोग 370 हटाने पर हाथ काटने की बात करते थे, अब वो लोग खुद मिमियाते नजर आ रहे हैं। इस समस्या के प्रति पहली बार दृष्टिकोण बदला है। सामान्य स्थिति बनाने में जल्दबाजी करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने सरकार के विदेशी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को भारत बुलाने की आलोचना की।

'फैसला अलोकतांत्रिक था, विश्व में उठ रहे हैं सवाल'

कश्मीर पर वार्ताकार रहे प्रो.एमएम अंसारी ने मोदी सरकार के 5 अगस्त के फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित है। इसके बावजूद सरकार ने यह कदम उठाया। उन्होंने कश्मीर में वर्तमान हालातों को देखते हुए प्रभावित हो रहे जनहित को लेकर अपनी चिंता जाहिर की।

अंतरर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन वक्ताओं ने 370 को हटाने को बताया महत्वपूर्ण कदम

कश्मीरियों के दिलों में प्यार पैदा करें

मथुरा | हिन्दुस्तान संवाद

'जम्मू कश्मीर का पुनर्गठन पाक, चीन और अन्य विश्व के निहितार्थ विषय पर आयोजित द्विदिवसीय संगोष्ठी के दूसरे दिन वक्ताओं ने कहा कि कश्मीरियों के दिल में प्यार और विश्वास पैदा करके ही समस्या का समाधान किया जा सकता है। बंदूक के बल पर ज्यादा समय तक शासन नहीं किया जा सकता।

आरसीए महाविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी के दूसरे दिन विश्व मामलों की भारतीय परिषद से आये डा. आशीष शुक्ला ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में न कोई स्थायी शत्रु होता है

आरसीए गर्ल्स डिग्री कालेज में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में अतिथियों का सम्मान करतीं प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी। • हिन्दुस्तान

पाकिस्तान और कश्मीर के लोग इस मसले का हल निकाल सकते हैं। अनुच्छेद 370 विवादों में रहा है. कश्मीर समस्या का हल निकाला जा सकता है।

मुख्यवक्ता डा.आशुतोष भटनागर ा कि कश्मीर कोई समस्या नहीं ें यह भी सोचना चाहिये कि वहां लागू करने के मूल में क्या था? अलगाववाद के लिये हमारी ें जिम्मेदार रही हैं। मुख्य अतिथि अरशद ने कहा कि हम किसी भी अथवा धर्म के हों, परन्तु हम भारतीय हैं। हमें भारत की संप्रभुता को ठेस नहीं पहुंचानी चाहिये। उन्होंने कहा कि कश्मीर के ज्यादातर लोग भारत के साथ हैं और अनुच्छेद 370 हटाने के समय जो एहतियात लेने चाहिये थे वे हमारी सरकार ने लिये हैं। बन्दूक की नोंक पर ज्यादा समय तक शासन नहीं किया जा सकता है, इसलिए हमें वहां के लोगों में विश्वास पैदा करना चाहिये। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने धन्यवाद देते हुए कहा कि निश्चित रूप से जम्मू कश्मीर के पुनर्गठन से भारत की विदेश नीति और कूटनीति वैश्विक स्तर पर और मजबूती से परिलक्षित हुई है। प्रारंभ में संगोष्ठी के आयोजन सचिव डा.अशोक कुमार, सचिव गिरीश अग्रवाल, राजेन्द्र सर्राफ ने अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट किए। संचालन स्वाति पारीक ने किया।

100 शोधपत्र प्रस्तुत हुए

मथुरा। संगोष्ठी की विस्तृत रिपोर्ट संस्कृत विभागाध्यक्षा डा.अर्चना पाल ने प्रस्तुत की, जिसमें उन्होंने दो दिन में प्रस्तुत किये लगभग 100 शोध पत्रों सहित कार्यक्रम का विवरण दिया। उन्होंने कहा कि इन दो दिनों में हुए विचार-विमर्श से संघर्ष की प्रकृति में बदलाव आयेगा तथा लंबे समय से चली आ रही संघर्ष और अस्थिरता की स्थिति सुधरेगी।

संगोष्ठी में ये रहे मौजूद

संगोष्ठी में डा.शरद सक्सेना, डा.रोशन लाल, डा.अंजूबाला अग्रवाल, डा.कल्पना वाजपेयी, डा.नम्रता मिश्रा, डा.भारती सागर, मंजू दलाल, पूजा राय, डा.संध्या श्रीवास्तव, डा.सीमा शर्मा, डा.नीतू गोस्वामी, डा.सुषमा जैन, डा.योगेन्द्री, डा. वीरमती, डा. ऋचा शर्मा, डा.सुनीता अवस्थी, नेहा सक्सैना, पूजा पालीवाल, कु. नीतू राजपूत, डा.राजेश वर्मा, मधुमिता शर्मा, कु.चारु शर्मा, डा.पल्लवी शुभा, डा. अनीता चौधरी, डा.शैफाली अग्रवाल, मंयक राजपूत, रिंकी गौतम आदि थे।

कॉलेज के स्थापना दिवस पर हुई प्रतियोगिताएं

मथुरा | हिन्दुस्तान संवाद

आयोजन

- शिक्षिकाओं व कर्मचारियों ने दिखाई प्रतिभा
- महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने लिया हिस्सा

आरसीए महाविद्यालय का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। जिसमें महाविद्यालय प्रगति के लिए हवन का आयोजन किया गया। इसके पश्चात शिक्षिकाओं व कर्मचारियों की मनोरंजकर प्रतियोगिताएं आयोजित हुई।

इस अवसर पर महाविद्यालय मिति के अध्यक्ष रमेश मित्तल, गरीश अग्रवाल, प्राचार्या डा. ौहरी समस्त प्राध्यापिकाएं गण एवं छात्राओं द्वारा ़ रूप से हवन किया गया। ताओं में महाविद्यालय परिवार सदस्यों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा

ना फैंक प्रतियोगिता में तृतीय र्मचारी पवन सिकरवार और ेणी कर्मचारी हरीश ने प्रथम ़ प्राप्त किया। 100मी. रेस में तृतीय श्रेणी कर्मचारी पवन सिकरवार एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी रवि ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

लेमन रेस प्रतियोगिता में प्रवक्ता राजेश, तृतीय श्रेणी कर्मचारी गौरी शंकर एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हरीश ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। पासिंग द बाल प्रतियोगिता में प्रवक्ता सीमा शर्मा तथा तृतीय वर्ग में आशीष शर्मा ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। हाउजी में प्रवक्ता योगेन्द्री उपाध्याय को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। सभी खेल प्रतियोगिताएं खेल विभागाध्यखा मंजू दलाल के निर्देशन में सम्पन्न हुई।

शुक्रवार को शैक्षिक भ्रमण के दौरान दिल्ली में भ्रमण करती आरसीए गर्ल्स डिग्री कालेज की छात्राएं और शिक्षिकाएं। • हिन्दुस्तान

छात्राओं ने देखी संसद की कार्यवाही

मथुरा। आरसीए बालिका महाविद्यालय की राजनीति शास्त्र विभाग एवं अन्य विषयों की अध्ययनरत छात्राओं ने शैक्षिक भ्रमण के दौरान संसद की कार्यवाही ़ जाना कि संसद में सत्र किस प्रकार चलते हैं और किस ाक पारित किया जाता है। इस शैक्षिक भ्रमण के उपरान्त ह और प्रसन्नता दिखाई दी। छात्राओं ने संसद के अतिरिक्त ़रधाम मन्दिर का भ्रमण किया। अक्षरधाम की स्थापत्य कला यन्त प्रभावित हुई। इस शैक्षिक भ्रमण में छात्राओं के साथ प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी के साथ डा. योगेन्द्री, डा. नीतू नीता चौधरी, डा. अशोक कुमार, डा. सुनीता अवस्थी, डा. डा. रिचा शर्मा, पूजा पालीवाल, पवन सिकरवार, आशीष ी हरीश व करतार आदि भी उपस्थित थे।

मनुवाद से मुक्त होने की जरूरतः सुभाषिनी

मथुरा | हन्दिुस्तान संवाद

आरसीए बालिका महाविद्यालय में मानवाधिकार दिवस की पूर्व संध्या पर 'मनुस्मृति, संविधान और महिलाओं के मानवाधिकार दिवस पर संवादात्मक सत्र में मनुवाद से हर भारतीय को मुक्त होने पर बल दिया गया।

समाजशास्त्र विभाग के तत्वाधान में आयोजित संवादात्मक सत्र में मुख्यवक्ता के ... इससे हर भारतीय को मुक्त होने की जरूरत है।डा. अशोक जौहरी ने मनुस्मृति में महिलाओं के अधिकारों को समतापूर्ण बताया और स्त्री तथा पुरूष एक दूसरे के पूरक हैं इस पहलू को स्पष्ट किया। सत्र की अध्यक्ष प्रतिभा शर्मा ने स्त्रियों के मानवाधिकारों पर प्रकाश डालते हुए कानूनी पहलुओं से अवगत कराया। प्रश्नोत्तर काल में छात्राओं ने ... उन्नाव ... शनों को ... जबाव ... र्या डा. ... आभार ... किया। ... ध्यक्ष ... में ... स्थात एवं उनके अधिकारों पर प्रकाश डाला।

रंगोली प्रतियोगिताः जंतु विज्ञान विभाग, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज की दीक्षा वर्मा ने प्रथम, आरसीएस कॉलेज मथुरा की गुंजन गौतम ने द्वितीय और ललित कला संस्थान की अदिति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

आरसीए की दो छात्राओं का अंतर विश्वविद्यालयी टीम में चयन

सफलता

स्नेहा गौड़

काजल वर्मा

मथुरा | हिन्दुस्तान संवाद

डा. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय की अंतर विश्वविद्यालयी बैडमिंटन टीम में आरसीए महाविद्यालय की दो छात्राओं का चयन हुआ है। उनके चयन पर कॉलेज पदाधिकारियों ने दोनों छात्राओं को बधाईयां दी है और उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

विगत दिनों महाविद्यालय में ही सम्पन्न हुई विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालयी बैडमिंटन प्रतियोगिता में पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों की प्रतियोगिताएं हुईं थीं। इनमें आरसीए महाविद्यालय की दो छात्राओं स्नेहा गौड़ एवं काजल वर्मा को चयनित किया है।

अंतर विश्वविद्यालयी प्रतियोगिताएं 19 से 23 नवम्बर तक पंजाब के जालंधर में लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय में आयोजित की जाएगी। छात्राओं के चयन पर कॉलेज की शारीरिक शिक्षा विभाग अध्यक्षा मंजू दलाल ने उन्हें बधाईयां दी एवं उनका उत्साहवर्धन किया। प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने छात्राओं से जालंध में भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर कॉलेज और यूनिवर्सिटी का नाम रोशन करने की अपेक्षा की है।

गायन प्रतियोगिता में राजकुमारी प्रथम

आरसीए गर्ल्स कॉलेज में हुआ विभिन्न पदों का गायन, श्रद्धा द्वितीय और पिंकी तीसरे स्थान पर रहीं, किया पुरस्कृत

मथुराः आरसीए गर्ल्स कॉलेज में पद गायन प्रतियोगिता हुई। शुभारंभ प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी, डॉ. अर्चना पाल, स्वाति पारीक, डॉ. अनीता चौधरी ने किया। छात्राओं ने मीराबाई, रसखान, सूरदास व तुलसीदास कृत पदों का गायन कर दर्शकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया।

प्रतियोगिता में राजकुमारी प्रथम, श्रद्धा द्वितीय, पिंकी शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। निर्णायक की भूमिका में संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना पाल, स्वाति पारीक उपस्थित रहीं। डॉ. नीतू गोस्वामी ने जब अपनी एक रचना बुरे समय में सपने मेरे सारे चकनाचूर हुए पढ़ी, तो सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। डॉ. प्रीति जौहरी ने कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है। हमें इस पर गर्व होना चाहिए। साथ ही हिंदी पर हमारा नियंत्रण होना चाहिए। हमारे पास हिंदी का पर्याप्त शब्द भंडार होना चाहिए, ताकि हम अपनी सहज अभिव्यक्ति कर सकें। छात्राओं को चाहिए कि अपनी भाषा की वर्तनी और उच्चारण संबंधी त्रुटियों पर विशेष ध्यान दें और निरंतर शुद्ध हिंदी सीखने, समझने, व्यवहार में लाने के लिए प्रयासरत रहें। (वि)

जम्मू कश्मीर मुद्दे पर दो दिवसीय अंतरर्राष्ट्रीय सेमिनार में 370 को हटाना बताया सुखद, सरकारों में थी राजनैतिक इच्छा शक्ति की कमी

चीन को पाकिस्तान से अलग करके न देखें

मथुरा | हिन्दुस्तान संवाद

जम्मू कश्मीर मुद्दे पर यहां शुक्रवार को आरंभ हुई अंतराष्ट्रीय सेमिनार के पहले दिन वक्ताओं ने वहां के हालातों का जिक्र करते हुए धारा 370 को हटाने के कदम को कश्मीर का भविष्य संवारने वाला कदम बताया। वक्ताओं ने कहा कि भले विश्व का बहुमत हमारे साथ हो, लेकिन चीन और पाकिस्तान एक हैं। हमें चीन को पाकिस्ताने से अलग करके नहीं देखना चाहिए। आरसीए कन्या महाविद्यालय में इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स (विश्व मामलों की भारतीय परिषद) द्वारा प्रायोजित 'जम्मू कश्मीर का पुनर्गठन पाकिस्तान, चीन तथा अन्य विश्व के लिए निहितार्थ'विषयक द्विदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में काश्मीर के मानवाधिकार कार्यकर्ता सुशील पंडित मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने कहा कि कश्मीर में रहने वाले तीन पीढियों के मुख्यमंत्री कहते थे कि दस प्रधानमंत्री चुन के आ जायें, लेकिन धारा 370 को कोई हाथ नहीं लगा सकता। इसका कारण था हमारी राजनैतिक इच्छा शक्ति की कमी। परंतु, आज विश्व का बहुमत हमारे साथ है और चीन पाक का इस्तेमाल करता है। इसलिये चीन को पाकिस्तान से अलग करके ना देखें।

केंद्रीय सूचना आयुक्त एवं कश्मीर वार्ताकार प्रो.एमएम अंसारी ने कहा कि कश्मीर समस्या का हल गले लगाने से होगा। पिछले 100 दिनों से वहां की तमाम सुविधाएं बन्द हैं, जिससे कि वहां स्थिति अत्यन्त दयनीय है। जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के निदेशक डा.आशुतोष भटनागर ने कहा कि आज हमारे सामने नयी दिशायें है और नयी चुनौतियां हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की नेता सुभाषिनी सहगल अली ने कहा कि कश्मीर हमेशा से हमारे देश का हिस्सा रहा है और यह हमारे देश का अभिन्न अंग है। इसलिये इसके विषय में किसी को हस्तक्षेप करने की आवश्यकता नहीं है।

शुक्रवार को आरसीए महाविद्यालय में जम्मू कश्मीर मुद्दे पर आयोजित अंतरर्राष्ट्रीय सेमिनार को सम्बोधित करतीं प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी। मंचस्थ हैं अतिथिगण।

मुख्य अतिथि के रूप में विदेश नीति विशेषज्ञ राजदूत पी.स्टॉबडान ने कहा कि अब कश्मीर की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। आज जगह की कीमत है लोगों की नहीं। लद्दाख में कोई सड़क भी नहीं बनाना चाहता है। 1971 की पाकिस्तान से लड़ाई में कुछ गांव हमने वापिस लिये थे। हम तो खाना बदोश की तरह रहे हैं। हमारे विकास के विषय में सोचा जाना चाहिए। अध्यक्षता करते हुए कुलपति अरविन्द कुमार दीक्षित ने कहा कि जम्मू कश्मीर के विषय में बहुत सी भ्रांतियां देश के सामने रही हैं और वे भ्रांतियां दिल्ली के द्वारा पैदा की गयी है। प्राचार्या डा.प्रीति जौहरी ने धन्यवाद ज्ञापन किया और कहा कि वास्तव में इस संगोष्ठी का उद्देश्य इस ज्वलंत विषय पर खुलकर बातचीत करना था। संचालन स्वाति पारीक ने किया।

संगोष्ठी में ये रहे मौजूद : संगोष्ठी में आयोजन सचिव डा.अशोक कुमार, प्रबन्ध समिति से कौशल किशोर, राजेन्द्र सर्राफ, विजय प्रकाश, रामबाबू अग्रवाल, प्राचार्य परिषद के अध्यक्ष डा. यशपाल बघेल, डा.वीरेन्द्र मिश्रा, डा. कल्पना वाजपेयी, डा.अर्चना पाल, डा. नम्रता मिश्रा, डा.भारती सागर, श्रीमती मंजू दलाल, पूजा राय, डा. संध्या श्रीवास्तव, डा. सीमा शर्मा, डा. नीतू गोस्वामी, डा.सुषमा जैन, डा.योगेन्द्री, डा. वीरमती, डा. ऋचा शर्मा, डा. सुनीता अवस्थी, नेहा सक्सेना, पूजा पालीवाल, कु. नीतू राजपूत, डा. राजेश वर्मा, मधुमिता शर्मा, कु. चारू शर्मा, डा. पल्लवी शुभा, डा.अनीता चौधरी, डा. शैफाली अग्रवाल, मंयक राजपूत, सुश्री रिंकी गौतम आदि थे।

20 शोध-पत्र हुए प्रस्तुत

उद्घाटन सत्र के बाद दूसरे सत्र में लगभग 20 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। डा. अनुराग शर्मा, डा. जयकिरण, डा.अर्चना गौतम, डाक्र केशव देव, डा.युधिष्ठिर सिंह, डा.ममता शर्मा, डा.शशि शेखर आदि ने शोध-पत्र प्रस्तुत किये।

इन्होंने किया संगोष्ठी का शुभारंभ

कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ अतिथियों के अलावा प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष रमेश चन्द्र मित्तल, सचिव गिरीश अग्रवाल, महाविद्यालय प्राचार्या डा.प्रीति जौहरी द्वारा सामूहिक रूप से माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात, संगोष्ठी की ई-स्मारिका का विमोचन किया।

आर.सी.ए. गर्ल्स (पी.जी.) कॉलेज, वृन्दावनगेट, मथुरा

मो. 9084011181, website : www.rcagirlscollege.org